जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 21 संख्याः 19 प्रभात जालोर, सोमवार 27 अप्रैल, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में गोली चली

वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में आयोजित वार्षिक मीडिया कार्यक्रम में राष्ट्रपति ट्रंप व उनकी पत्नी मौजूद थे

- कार्यक्रम के फुटेज में नज़र आ रहा है कि गोलियां की आवाज़ सुनने के बाद ट्रंप और वहाँ मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। सीक्रेट सर्विस के एजेन्ट्स ट्रंप को तेजी से घटना स्थल से दूर ले गए।
- गोलीबारी में एक एजेन्ट घायल हुआ। ट्रंप ने 30 दिन में इस डिनर का पुनः आयोजन की बात कही।

वाशिंगटन, 26 अप्रैल। वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान, कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स कार्यक्रम स्थल से राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को निकाल कर ले गए। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस गोलीबारी में एक एजेंट घायल हो गया। डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था।

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी होते ही ट्रंप को वहां से तुरंत बाहर निकाला गया। इस वार्षिक मीडिया कार्यक्रम के शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप बॉलरूम पहुंच चुके थे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि वे जल्द ही वाइट हाउस से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। ट्रंप ने लिखा, वे, प्रथम महिला, उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मैंने इस कार्यक्रम के प्रभारी सभी प्रतिनिधियों से बात कर ली है। डिनर का आयोजन 30 दिनों के अंदर दोबारा किया जाएगा।

ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ये सब बहादुर हैं। उन्होंने कहा, हमलावर को पकड़ लिया गया है। मौके से हासिल फुटेज में नजर आ रहा है कि गोलियों की आवाज सुनने के बाद ट्रंप और वहां मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। इस दौरान लोग चिल्ला रहे थे, नीचे झुक जाओ। इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ट्रंप को तेजी से घटनास्थल से दूर ले गए। फिर एजेंट्स ने कार्यक्रम स्थल को चारों ओर से घेर लिया।

डिनर में आमंत्रित अल जजीरा के पत्रकार क्रिस शेरिडन ने बताया कि उन्होंने बॉलरूम के बाहर गोलियों की पांच आवाजें सुनीं।

हम तुरंत ज़मीन पर लेट गए। गोलीबारी ठीक मेरे पीछे हुई। गोली बॉलरूम के प्रवेश द्वार के दरवाजों के पीछे हुई। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। यह घटना रात लगभग 8:30 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस समय वाइट हाउस में हैं।

राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा है कि वे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की कि ट्रंप कॉन्फ्रेंस का ब्रीफिंग रूम से ही संबोधित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध ने कुल मिलाकर पांच से आठ गोलियां चलाई गईं। संदिग्ध बंदूकधारी तको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर की अध्यक्ष और सीबीएस न्यूज की पत्रकार वेइजिया जियांग ने कहा है कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पूरी तरह ठीक हैं। वे प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भगवान का शुक्र है कि हम सब सुरक्षित हैं। आज रात एक साथ आने के लिए आप सबका धन्यवाद। हम फिर मिलेंगे।

हमलावर का निशाना राष्ट्रपति ट्रंप भी थे- अटॉर्नी जनरल

वॉशिंगटन, 26 अप्रैल। अमेरिका में वाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग को लेकर अब बड़ा खुलासा सामने आया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, हमलावर का निशाना सिर्फ आम लोग नहीं थे, बल्कि सीधे तौर पर सरकार के बड़े अधिकारी, यहां तक कि राष्ट्रपति भी हो सकते थे।

अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा है कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को टारगेट करने आया था,

- अटॉर्नी जनरल ने कहा कि अभी तक ईरान से किसी तरह के कनैक्शन के ठोस सबूत नहीं मिले हैं।

जिनमें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि हमलावर ने लंबा सफर तय किया, वह कैलिफोर्निया से ट्रेन के जरिए पहले शिकागो और फिर वॉशिंगटन डीसी पहुंचा, जहां उसने उसी होटल में कमरा लिया, जहां यह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम हो रहा था।

31 साल का आरोपी कोल टॉमस एलन हिरासत में है और उस पर कई गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। एजेंसियां उसके मोबाइल, लैपटॉप और लिखी गई बातों (नोट्स) की जांच कर रही हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या 20 साल बाद पांचना बांध से पानी छोड़ा जाएगा नहरों में?

हाई कोर्ट ने जलदाय विभाग को 2022 में दिए गए आदेश की पालना करते हुए तुरन्त पानी छोड़ने का आदेश दिया है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 26 अप्रैल। करौली डिस्ट्रिक्ट में स्थित पांचना बांध में पिछले 20 वर्ष (यानी 2006) से पानी नहीं छोड़े जाने के संबंध में दायर याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में वर्ष 2022 में ही 8 जुलाई को अदालत की खंड पीठ में बांध से पानी छोड़े जाने के आदेश पारित किए गए थे, परंतु इस आदेश की पालना आज तक नहीं की गई है। अदालतीय आदेश की अवमानना को गंभीरता से लेते हुए कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस पी शर्मा और न्यायधीश शुभा मेहता की खंड पीठ ने जलदाय विभाग को आदेश दिए हैं कि वह जल्द से जल्द पांचना बांध से जुड़ी हुई 20 साल से सूखी हुई नहरों की मरहमत करवाए और तुरंत प्रभाव से पानी छोड़े।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट को तत्परता से ले और इस बांध से जुड़े अतिरिक्त निर्माण कार्यों को भी शीघ्रता से पूरा करे। अंत में अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अगर उसके आदेश की पालना नहीं की गई तो अगली

- इस मामले की 5 मार्च को हुई सुनवाई के दौरान अदालत में अतिरिक्त महाधिवक्ता ने बयान दिए थे कि राज्य सरकार ग्रामीणों के बीच सामंजस्य नहीं बना पा रही है, जिनका कहना है कि बांध से छोड़े गए पानी से केवल एक गुट के लोगों का ही फायदा होगा। हालांकि महाधिवक्ता ने यह भी कहा था कि अलग-अलग राज्य सरकार पिछले 20 वर्षों से अपने राजनैतिक हितों और लाभों को देखते हुए बांध के विरोध की आड़ में पांचना इरिगेशन प्रोजेक्ट क्रियान्वित नहीं होने दे रही थीं।
- उन्होंने यह भी बताया कि जलदाय विभाग ने ग्रामीणों में सामंजस्य बिठाने के लिए एक अतिरिक्त लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के निर्माण का प्रस्ताव भी दिया था, जिसे गहलोत सरकार ने वर्ष 2023 में खारिज कर दिया था। अदालत के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट में जलदाय विभाग ने अतिरिक्त लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने अब स्वीकार कर लिया है और 50 करोड़ रूपए आवंटित भी कर दिए हैं।

सुनवाई पर जलदाय विभाग के सचिव व चीफ इंजीनियर मौजूद रहें। इसके साथ ही, अदालत ने इस मामले की अगली तारीख 1 मई तय की है। सुनवाई के दौरान, जलदाय विभाग के सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया गया है कि विरोधप्रदर्शन कर रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बलोचिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य काफिले पर हमला, दो अधिकारी मारे गये

बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट लगातार पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों, पुलिस स्टेशनों व राजमार्गों पर हमले कर रहा है

- बीएलएफ प्रवक्ता के अनुसार, विद्रोही लड़ाकों ने शिविर बदल रहे सैन्य अधिकारियों के काफिले पर आईईडी से विस्फोट किया। इसमें सैन्य वाहन पूर्णतया नष्ट हो गए।

इस्लामाबाद, 26 अप्रैल। देश के बलोचिस्तान प्रांत में आजादी समर्थक विद्रोही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के हमले में पाकिस्तान के दो सैन्य अधिकारियों की जान चली गई। इन अधिकारियों का काफिला पूरी तरह नष्ट हो गया। बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने मीडिया को जारी बयान में यह जानकारी दी। हालांकि सेना ने इस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है।

''द बलोचिस्तान पोस्ट'' की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलएफ प्रवक्ता घोरम बलोच ने कहा कि 25 अप्रैल को खुजदार के जावाह इलाके में विद्रोही लड़ाकों ने शिविर बदल रहे सैन्य अधिकारियों काफिले पर रिमोट कंट्रोल बम (आईईडी) से विस्फोट कर दिया। इससे सैन्य वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया। इस हमले में वाहन में सवार दो अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि एक अन्य अभियान में, लड़ाकों ने 24 अप्रैल को नुश्की के मिल इलाके में स्थित पुलिस स्टेशन पर हमलाकर उस पर कब्जा कर लिया और वहां के संचार उपकरणों को निष्क्रिय कर दिया। प्रतिरोध करने वाला एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। इसके अलावा, 24 अप्रैल को ही खारान शहर में सेना के मुख्यालय पर ग्रेनेड लॉन्चरों से हमला किया।

इससे एक दिन पहले 23 अप्रैल को बीएलएफ के लड़ाकों ने खुजदार क्षेत्र के जावाह में क्वेटा-कराची मुख्य राजमार्ग को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया। तीन घंटे तक राजमार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी गई।

पचपदरा रिफाइनरी मई में शुरु होने की संभावना

बालोतरा, 26 अप्रैल (निसं)। एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) ने 20 अप्रैल 2026 को क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) में हुई अग्नि दुर्घटना को लेकर आधिकारिक अपडेट जारी किया है।

- रिफाइनरी प्रबंधन के अनुसार, 3-4 सप्ताह में पुनर्स्थापना कार्य पूरा होने की आशा है।

कंपनी के अनुसार, विस्तृत जांच के बाद प्रारंभिक आकलन में सामने आया है कि आग हीट एक्सचेंजर स्टैक तक सीमित रही, जिससे केवल 6 एक्सचेंजर्स और उनसे जुड़े सहायक उपकरण प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने बताया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश के बैंकिंग सिस्टम में शांत विश्वास दिख रहा, जो पहले कभी नहीं था

ग्रोथ के मजबूत आधार, नियंत्रित महंगाई तथा साफ सुथरी बेलैंस शीट के कारण भारी उतार-चढ़ाव से ''फ्री'', एक ''स्टेबिलिटी'' (शांत स्थिरता) का अहसास हो रहा है, देश के ''बैंकिंग सिस्टम'' में

- पर साथ ही, बैंकिंग सिस्टम में बदलाव के बादल भी घुमड़ रहे हैं, मूलतः आर्टिफिशल इंटैलिजैंस (ए.आई.) और बैंकिंग कारोबार में भारी ''डिजिलाइटेशन'' होने से।
- उदाहरण के लिए, ''सायबर सिक्युरिटी'' एक भारी खतरा व आशंका बन गई है।
- एक बड़ा बदलाव यह भी है कि परंपरागत सोच के अनुसार, बड़े उद्योगों को ऋण देना, जाना-माना व सेफ तरीका माना जाता था, ग्रोथ के लिए, पर अब ग्रोथ का श्रेय रिटेल लैंडिंग, सर्विसेज़ सैक्टर व एस.एम.ई. सैक्टर को दिया जा रहा है।

- सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। आज भारत की बैंकिंग प्रणाली एक शांत आत्मविश्वास दिखा रही है, जो कुछ साल पहले असंभव लगता था। मजबूत ग्रोथ, कम महंगाई और साफ सुथरी सुथरी बैलेंस शीट ने मिलकर स्थिरता का एक दुर्लभ पल बनाया है। आश्वस्त करने वाली इस सतह के नीचे, गहरे स्ट्रक्चरल बदलाव हो रहे हैं, जो बैंकों को न केवल यह पुनर्विचार करने पर मजबूर कर रहे हैं कि वे कैसे ऋण देते हैं, बल्कि यह भी कि वे कैसे अस्तित्व में हैं।

हालिया फिक्की-बी.ए. (भारतीय बैंक संघ) सर्वेक्षण इस दोहरी वास्तविकता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। एक ओर, क्रेडिट वृद्धि की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं। दूसरी ओर, यह क्षेत्र तकनीक, स्थिरता और नए प्रतिस्पर्धी दबावों से प्रेरित परिवर्तन के लिए तैयार हो रहा है।

जहाँ साइबर सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता के रूप में उभरी है वहीं, यह याद दिलाती है कि जैसे-जैसे बैंकिंग प्रणाली ज्यादा डिजिटल होती जा रही है, यह उतनी ही अधिक संवेदनशील भी होती जा रही है। हालांकि, तात्कालिक तस्वीर उत्साहजनक है। अधिकांश बैंकों को उम्मीद है कि नॉन फूड क्रेडिट 11-13 प्रतिशत की रेंज में बढ़ेगा, कुछ बैंक इससे भी अधिक वृद्धि की संभावना देख रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बेहतर एसैट क्वालिटी और मजबूत कैपिटल बफर के कारण, इस आशावाद में आगे हैं। निजी बैंक, हालांकि समान रूप से ग्रोथ ओरिएन्टेड हैं, ज्यादा सावधानी से चल रहे हैं, जो जोखिम के प्रति संतुलित दृष्टिकोण को दिखाता है। विदेशी बैंक, वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण, चयनात्मक रूप से ही शामिल हैं।

हालांकि, जो बात चौंकाने वाली है, वह यह है कि यह वृद्धि कहां से आ रही है। परंपरागत रूप से बड़े औद्योगिक ऋण पर निर्भरता अब अधिक डायवर्सिफाइड क्रैडिट लैंडस्केप में बदल रही है। सेवाएं, खुदरा और लघु-मध्यम उद्यम (एस.एम.ई.) विस्तार के मुख्य इंजन बनकर उभरे हैं। खासकर रिटेल लैंडिंग में यह उल्लेखनीय वृद्धि जारी है, जिसे कंज़प्शन डिमाण्ड और बढ़ते फायनैंशियल एक्सेस का समर्थन मिला है। एसएमई क्रेडिट भी गति पकड़ रहा है, जो नीतिगत समर्थन और भारत की विशाल अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के धीरे-धीरे हो रहे फॉर्मलाइज़ेशन को दर्शाता है।

इसके विपरीत, उद्योग की कहानी अधिक संयमित है। यहां क्रेडिट ग्रोथ शानदार होने के बजाय स्थिर रहने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)